आकाशवाणी केन्द्र शिमला

27.08.2026 / 11:00 बजे

प्रादेशिक समाचार

प्रधानमंत्री–खेलो इंडिया संवाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज वर्चुअल माध्यम से खेलो इंडिया संवाद को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के अंतर्गत **मेरा युवा भारत** द्वारा आयोजित किया जा रहा है। ये कार्यक्रम देश भर में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक जिले के दो कॉलेजों में युवाओं की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाएगा। इधर प्रदेश में इस अवसर पर वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, मंडी में राष्ट्रीय स्तर के 'खेलो इंडिया संवाद खेल की बात पीएम के साथ' कार्यक्रम का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन चयनित शिक्षण संस्थानों के साथ मंडी कॉलेज में भी लाइव प्रसारित किया जाएगा। इसके बाद विद्यार्थियों के लिए स्थानीय 'खेलो इंडिया संवाद' और 'युवा संवाद' होगा, जिसमें खेल प्रतिभा, ओलंपिक–2036, युवा नेतृत्व, विकसित भारत और नशा मुक्त युवा जैसे विषयों पर विचार साझा किए जाएंगे।

हिमाचल विधानसभा

शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के आज छठे दिन सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरु होगी। जिसके बाद शून्यकाल में विधायकों द्वारा क्षेत्र के मुद्दे उठाएंगे जाएंगे। आज गैर–सरकारी सदस्य कार्य दिवस पर सदन में विधायकों द्वारा पांच बड़े संकल्प प्रस्तुत किए जाएंगे जिस पर चर्चा होगी।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र के छठे दिन की कार्यवाही आज प्रश्नकाल के साथ शुरू होगी जिसके बाद शून्यकाल में विधायकों द्वारा क्षेत्र के मुद्दे उठाएंगे जाएंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू आज सदन में दो बड़ी रिपोर्ट पेश करेंगे। पहली, हिमाचल प्रदेश विद्युत संचार निगम लिमिटेड की 17वीं वार्षिक रिपोर्ट 2024–25 और दूसरी, हिमाचल प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 2022–23 की वार्षिक रिपोर्ट सभा पटल पर रखेंगे। वहीं दो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी आज सदन में लाए जाएंगे जिसमें नालागढ़ के विधायक हरदीप सिंह बावा– शिवालिक सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट के संचालन और उसकी लीज अवधि बढ़ाने से पैदा हुई स्थिति पर सरकार का ध्यान खींचेंगे। वहीं ऊना के विधायक सतपाल सिंह सत्ती लोक निर्माण विभाग में इलेक्ट्रिकल कामों के टेंडर इलेक्ट्रिकल ठेकेदारों को न मिलने और इलेक्ट्रिकल विंग को सिविल विंग में मिलाने के मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

स्वाइन फ्लू

दिल्ली में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच अब हिमाचल प्रदेश में भी इस खतरनाक वायरस ने दस्तक दे दी है। कांगड़ा जिले के डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज (टांडा) में कल स्वाइन फ्लू के 4 मामले पॉजिटिव पाए गए हैं। इस वायरस ने सबसे ज्यादा छोटे बच्चों और बुजुर्गों को अपनी चपेट में लिया है। टांडा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मिलाप शर्मा ने मामलों की पुष्टि करते हुए बताया कि कल अस्पताल में स्वाइन फ्लू के कुल 8 सैंपलों की जांच की गई। इनमें से 4 सैंपलों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। संक्रमित मरीजों में 72 और 85 वर्ष के 2 बुजुर्ग और 7 माह व 1 साल के दो मासूम बच्चे शामिल हैं। मामले के सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है और सभी से एहतियात बरतने की अपील की जा रही है।

संग्रहण व्यवस्था

हमीरपुर के नादौन खंड की 63 ग्राम पंचायतों में नियमित कूड़ा–कचरा संग्रहण की व्यवस्था शुरू की जाएगी। पंचायती राज विभाग ने स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इस विकास खंड में 14 ई–रिक्शा उपलब्ध करवाए गए हैं। **अधिक ब्यौरे के साथ हमारे हमीरपुर जिला संवाददाता**

लादरचा मेला

राज्य स्तरीय तीन दिवसीय लादरचा मेले का काज़ा में भव्य समापन हुआ। लाहौल–स्पीति की उपायुक्त मेले के समापन अवसर पर उपस्थित रहीं। इस दौरान उन्होंने मेले में प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर उपायुक्त ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से आयोजित रैफल ड्रॉ के विजेताओं को भी पुरस्कार दिए गए। अंतिम सांस्कृतिक संध्या में मुंसलिंग स्कूल रंगरिक, जीएसएसएस काज़ा, रंगरिक महिला मंडल, रवि नेहमा, लद्दाख कल्चरल एसोसिएशन, सोना डांस अपर गुलिंग, टशी रॉक, फुरबू नेगी और नेहा ने शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद तंजिन शायन ने भी अपनी प्रस्तुति से समां बांधा। वहीं स्टार नाइट में फूंचोक छोसकर और रोल्यांग्स बैंड ने अपने गीतों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लादरचा मेले के समापन को यादगार बना दिया।

पारंपरिक उत्पाद

हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक उत्पाद रणसिंघा, लकड़ी की नक्काशी और हस्तनिर्मित कालीनों को जीआई टैग मिलने के बाद इनके कारीगरों ने कल लोकभवन में राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि जीआई टैग से हिमाचली उत्पादों की पहचान और

प्रमाणिकता मजबूत होगी तथा कारीगरों को बेहतर बाजार और आर्थिक लाभ मिलेगा। उन्होंने गुणवत्ता, ब्रांडिंग, ई–कॉमर्स और विपणन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।